हरिभूमि

विदिशा-रायसेन भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शनिवार 8 अगस्त 2026

गंजबासौदा | सांची | सिरोंज | लटेरी | गैरतगंज | बेगमगंज | सुल्तानपुर | बाड़ी | बरेली

06 मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान शुरू, कलेक्टर...



07 170 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर उपेक्षा की शिकार



खबर संक्षेप

बालिका जन्म पर मिल रही 'स्वागत लक्ष्मी किट



विदिशा। जिले में बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने और संस्थागत प्रसव बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर की पहल पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत सभी शासकीय चिकित्सालयों में नवजात बालिकाओं को स्वागत लक्ष्मी बेबी किट प्रदान की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अब तक 250 से अधिक बालिकाओं को यह किट वितरित की जा चुकी है। किट में नवजात की प्रारंभिक देखभाल की आवश्यक सामग्री शामिल है।

आंगनबाड़ी केंद्र 150 में मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम

विदिशा। विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत सेक्टर युवराज क्लब स्थित आंगनबाड़ी केंद्र 150 में जागरूकता कार्यक्रम एवं मंगल दिवस आयोजित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रीति रैकवार ने सेक्टर पर्यवेक्षक क्षमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान, संतुलित पोषण, स्वच्छता और मातृ-शिशु स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी। माताओं को जन्म के तुरंत बाद नवजात को मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) पिलाने के लाभ बताए गए।

भोपाल के बाल गृहों में रह रहे विदिशा के बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

विदिशा। भोपाल के विभिन्न बाल गृहों में रह रहे विदिशा जिले के बच्चों ने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। नित्य सेवा समिति की एक बालिका ने कक्षा 12वीं में 78% और दूसरी ने 10वीं में 84% अंक प्राप्त किए, जबकि बालग्राम भोपाल के एक बालक ने 12वीं में 60% अंक हासिल किए। इस सफलता का श्रेय बाल कल्याण समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षकों और बाल गृहों के सहयोगात्मक वातावरण को दिया गया।



भगवान भरोसे धान...

आ रहे बादल,जा रहे बादल पानी नहीं बरसा रहे बादल

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

शहर और आसपास के क्षेत्रों में पिछले आठ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण धान की फसल पर संकट गहराने लगा है। किसान लगातार अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बादल आने के बाद भी बिना बरसे लौट जा रहे हैं। हालांकि बुधवार को हुई हल्की बारिश से सोयाबीन की फसल को कुछ राहत मिली है, लेकिन यह धान के लिए पर्याप्त नहीं है। किसानों का कहना है कि धान की फसल को बचाने के लिए मूसलाधार बारिश जरूरी है, जिससे खेतों में बने गड्ढे और जलभराव वाले हिस्से भर सकें। जल्द अच्छी बारिश न होने से धान की फसल प्रभावित हो रहे हैं। बादल आ रहे हैं और जा रहे हैं लेकिन पानी नहीं बरसा रहे हैं।

क्यों नहीं हो रही बारिश

बारिश न होने का मुख्य कारण मानसून ट्रफ और बादलों के तंत्र का किसी खास क्षेत्र से दूसरी तरफ शिफ्ट होना या कमजोर पड़ना है। जब मानसूनी हवाएं या कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय नहीं होता, तब नमी वाली हवाएं आगे नहीं बढ़ पातीं और बारिश रुक जाती है।

बारिश न होने के कारण खेतों में दरारें चल रहीं हैं और धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हो रही है जिन किसानों के पास सिंचाई के साधन नहीं है वह अब धान से उम्मीद खोते नजर आ रहे हैं।

चुनाव: 16 अगस्त को हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष के लिए होगा मतदान

2 ने नाम वापस लिया, हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के लिए अब चार प्रत्याशी मैदान में

सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के चुनाव में शुक्रवार को नाम वापसी हुई। इसी के साथ प्रत्याशियों की संख्या साफ हो गई हैं। इस बार चुनाव में चार प्रत्याशियों के बीच मतदान होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

16 अगस्त को अग्रवाल धर्मशाला के तारदेवी हॉल में सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के लिए मतदान होगा। पूर्व अध्यक्ष नितिन माहेश्वरी को निर्विराध अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन इस बार छह प्रत्याशियों ने दावेदारी की।

शुक्रवार को नाम वापसी के दिन दो प्रत्याशियों के नाम वापस लेने के बाद अब 4 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं, जिनके बीच निर्वाचन होना है। सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति की मतदाता सूची में कुल 2911 मतदाता हैं जो अपने मत का प्रयोग कर नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। नामांकन वापसी की निर्धारित तिथि 7 अगस्त को दो प्रत्याशियों ने अपने नामांकन फॉर्म वापस ले लिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट संतोष शर्मा ने बताया कि निर्धारित समय के दौरान वीरेंद्र धाकड़ और कमलेश अहिरवार ने अपना नामांकन वापस लिया है।

दोनों प्रत्याशियों के नामांकन वापसी के बाद अब अध्यक्ष पद के लिए सरदार सिंह रघुवंशी, रामराज दांगी, मिथिलेश दांगी और भूपेंद्र रघुवंशी के बीच मुकाबला होगा। सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के लिए मतदान 16 अगस्त को होगा। 8 अगस्त को प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। समिति प्रवक्ता मनोज शर्मा ने बताया कि नाम वापसी के बाद आज शनिवार को अंतिम प्रत्याशी सूची और चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। मतदान 16 अगस्त रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक तारा देवी हॉल अग्रवाल धर्मशाला में कराया जाएगा। प्रत्याशियों ने मतदाताओं को टटोलना शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि नारायण सिंह कुशवाह द्वारा समिति का गठन किया गया है।

वीरेंद्र धाकड़ और कमलेश अहिरवार ने नामांकन वापस लिया



विदिशा। नाम वापस लेने पहुंचे दो प्रत्याशी।



सरदार रघुवंशी



रामराज दांगी



मिथिलेश दांगी



भूपेंद्र रघुवंशी

चुनाव की खास बातें

- कुल मतदाता : सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति की मतदाता सूची में कुल 2911 मतदाता हैं।
- जनवरी व जुलाई सदस्यता अभियान चलाकर 464 नए मतदाताओं को जोड़ा गया है।
- अंतिम प्रत्याशी सूची : आज 8 अगस्त को अंतिम प्रत्याशी सूची जारी की जाएगी।
- मतदान : 16 अगस्त, सुबह 9 से शाम 4 बजे तारा देवी हॉल, अग्रवाल धर्मशाला

मारपीट के आरोपी को एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

विदिशा। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय की न्यायाधीश रिनी खान शेख ने मारपीट के एक मामले में आरोपी राजेश नामदेव (50), निवासी विदिशा को दोषी ठहराते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रियंका जैन ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार 2 अप्रैल 2025 की सुबह फरियादी अपने घर के बाहर सफाई कर रहा था। इसी दौरान आरोपी ने सफाई को लेकर विवाद करते हुए गालियां दीं और डंडे से हमला कर दिया, जिससे फरियादी के दाहिने हाथ में चोट आई। पुलिस ने विवेचना पूरी कर न्यायालय में चालान पेश किया। साक्ष्यों एवं अभियोजन के तर्कों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध कर सजा सुनाई।

छुरा रखने वाले आरोपी को दो वर्ष का कारावास

विदिशा। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमोल अग्रवाल ने अवैध रूप से लोहे का छुरा रखने के मामले में आरोपी शिवराज राजपूत (30) निवासी विदिशा को दोषी ठहराते हुए दो वर्ष के सश्रम कारावास तथा एक हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी गर्गी झा ने पैरवी की। आरोपी इमामबाड़ा रोड स्थित पानी की टंकी के पास कमर में छुरा रखकर लोगों को डरा-धमका रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर शिवराज राजपूत को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 12 इंच लंबा लोहे का छुरा बरामद हुआ।

आरोप सही थे: छात्राओं से मारपीट करने वाला शिक्षक निलंबित हुआ

आरटीई उल्लंघन पर विभागीय कार्रवाई शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

नटेरन विकासखंड स्थित शासकीय एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपलधार में कक्षा 6वीं की छात्राओं से मारपीट और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप में माध्यमिक शिक्षक रामप्रसाद अहिरवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

यह कार्रवाई गुरुवार को भोपाल संभाग के संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने की है। यह कार्रवाई जिला शिक्षा अधिकारी की जांच रिपोर्ट और सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के आधार पर की गई है। बताया गया कि 3 अगस्त को स्कूल की छात्राओं ने शिक्षक पर मारपीट और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए।

छात्राओं को शारीरिक दंड देना गलत

निलंबन आदेश में कहा गया है कि स्कूल समय में छात्राओं को शारीरिक दंड देना बच्चों का नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 की धारा 17(1) का उल्लंघन है। यह मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम-1966 के तहत सेवा आचरण के भी विपरीत है।

सोशल मीडिया पर वायल हुआ था वीडियो

निलंबन अवधि के दौरान शिक्षक रामप्रसाद अहिरवार का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नटेरन रहेगा। उन्हें नियमानुसार निलंबन भत्ता दिया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी को एक सप्ताह के भीतर आरोप-पत्र तैयार कर विभाग को प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पिपलधार स्कूल का यह मामला सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सामने आया था। वीडियो में छात्राओं ने शिक्षक पर कक्षा में मारपीट करने के आरोप लगाए थे। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच शुरू की और अब जांच रिपोर्ट के आधार पर शिक्षक को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अस्पताल रोड पर बेतरतीब वाहन पार्किंग से लगा जाम

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने नहीं हो रहा काम

विदिशा। स्टेशन से अस्पताल की सड़क पर शुक्रवार को आबकारी विभाग के सामने सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों के कारण लंबा जाम लग गया।

सड़क के दोनों ओर पार्किंग होने से मार्ग संकरा हो गया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात की रफ्तार थम गई। जाम में फंसे लोगों को काफी देर तक परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेलवे स्टेशन रोड शहर का प्रमुख मार्ग है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। इसके बावजूद सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग के कारण सड़क का बड़ा हिस्सा पार्किंग स्थल में बदल गया है। लोगों ने प्रशासन और यातायात पुलिस से नियमित कार्रवाई कर सड़क किनारे पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में जाम जैसी स्थिति से राहत मिल सके।



84 गांवों के सेंटर पॉइंट पर पशुओं को लिए डॉक्टर नहीं

महीनों से हैदरगढ़ पशु चिकित्सालय पर लटका ताला

उपचार के अभाव में पशुपालक परेशान, बारिश में पशुओं पर बीमारी का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ग्यारसपुर

ग्यारसपुर तहसील के कस्बा हैदरगढ़ स्थित शासकीय पशु चिकित्सालय पिछले चार से पांच महीनों से बंद पड़ा है। चिकित्सालय पर ताला लटका रहने से दूर-दराज के गांवों से पशुओं का उपचार कराने पहुंचने वाले पशुपालकों को बिना इलाज लौटना पड़ रहा है।

हैदरगढ़ करीब 84 गांवों का प्रमुख केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण पशुपालन पर निर्भर हैं तथा कई ग्राम पंचायतों में गौशालाएं भी संचालित हैं। बरसात के मौसम में पशुओं में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ने के बावजूद नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और उपचार नहीं मिल पाने से पशुपालकों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां पदस्थ



महिला पशु चिकित्सक को जिला पशु उपसंचालक कार्यालय विदिशा में अटैच कर दिया गया है, जबकि शासन पहले ही विभागीय अटैचमेंट व्यवस्था समाप्त करने के निर्देश जारी कर चुका है।

जिला पशु उपसंचालक संजय भारती ने बताया कि तत्कालीन उपसंचालक द्वारा महिला चिकित्सक को जिला कार्यालय से अटैच किया गया था। उनकी अनुपस्थिति में ग्यारसपुर में पदस्थ डॉ. शैलेंद्र सिंह की ड्यूटी हैदरगढ़ के लिए लगाई गई है। हालांकि स्थानीय पशुपालकों का कहना है कि नियमित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध नहीं हो रही हैं। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से हैदरगढ़ चिकित्सालय में स्थायी चिकित्सक की तत्काल पदस्थापना कर सेवाएं सुचारु करने की मांग की है।

500 विद्यार्थियों ने सीखे जीवनरक्षक हुनर

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल त्योंदा में शुक्रवार को आपदा प्रबंधन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अंशुल गुप्ता के निर्देश तथा डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड मयंक कुमार जैन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ ने भाग लिया।

एसडीईआरएफ टीम ने विद्यार्थियों को आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता और बचाव के



व्यवहारिक तरीके सिखाए। सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का लाइव प्रदर्शन कर हृदयगति रुकने की स्थिति में प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही भूकंप, बाढ़, आगजनी, आकाशीय बिजली और सर्पदंश जैसी आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई। स्थानीय संसाधनों से तैयार किए जा सकने वाले अस्थायी बचाव उपकरणों का भी प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को 'दामिनी' और 'सचेत' ऐप की उपयोगिता बताते हुए कहा कि दामिनी ऐप वज्रपात की पूर्व चेतावनी देता है, जबकि सचेत ऐप विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से जुड़े अलर्ट और सुरक्षा निर्देश उपलब्ध कराता है।

कथा में द्वादश स्कंधों का आध्यात्मिक सार बताया

विदिशा। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथावाचक ने द्वादश स्कंधों का आध्यात्मिक एवं दार्शनिक सार प्रस्तुत करते हुए संतोष शास्त्री बताया कि भागवत के प्रत्येक स्कंध में मानव जीवन के उत्थान, भक्ति, ज्ञान और मोक्ष का मार्ग निहित है। प्रथम स्कंध में अधिकार एवं संत-संग, द्वितीय में ज्ञान, तृतीय-चतुर्थ में ज्ञान को जीवन में उतारने, पंचम में गुरु उपदेश के आचरण, षष्ठम में ईश्वर कृपा, सप्तम में संत धर्म एवं सदाचार, अष्टम में रासलीला के माध्यम से जीव-ईश्वर मिलन, नवम में सूर्यवंश और चंद्रवंश के आदर्श, दशम में श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, एकादश में भक्ति, वैराग्य और हृदय शुद्धि तथा द्वादश स्कंध में कलियुग, धर्म और राजवंशों का वर्णन किया गया। वक्ता ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलाने वाला सर्वसिद्धिदायक ग्रंथ है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सरकारी-प्राइवेट स्कूल के विद्यार्थी पहुंचे

दौड़, लॉग जंप समेत 26 खेलों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

खेल स्टेडियम में शुक्रवार को विकासखंड स्तरीय शासकीय-अशासकीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न शासकीय और अशासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। खिलाड़ियों ने अलग-अलग एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के दौरान 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप और हाई जंप सहित कुल 26 स्पर्धाएं आयोजित की गईं। मैदान में उतरे खिलाड़ियों में जीत को लेकर खासा उत्साह देखा गया। प्रतिभागियों ने दौड़ और जंप स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया।

आयोजकों के अनुसार विकासखंड स्तर पर एथलेटिक्स के कुल 26 इवेंट्स कराए जा रहे हैं। इनमें विभिन्न आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका दिया गया है। प्रतियोगिता में विकासखंड के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रतियोगिता में अपने-अपने इवेंट में प्रथम स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा।



इसके चलते खिलाड़ियों में बेहतर प्रदर्शन कर जिला स्तर पर चयनित होने की होड़ भी देखने को मिली।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्कूल स्तर से ही बच्चों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच उपलब्ध कराना है। यह विशेष रूप से ग्रामीण और शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रही है। रविकांत नामदेव ने बताया कि विकासखंड स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स के विभिन्न इवेंट्स जैसे 100, 200 और 400 मीटर दौड़ के साथ लॉन्ग जंप और हाई जंप शामिल हैं। इसमें विकासखंड के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

200 मीटर, 400 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप और हाई जंप सहित कुल 26 स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

बासौदा मंडी भाव

गेंहू
न्यूनतम भाव-2400
उच्चतम भाव-4635
सरसों
न्यूनतम भाव-6750
उच्चतम भाव-7877
सोयाबीन
न्यूनतम भाव-4200
उच्चतम भाव-6900
चना
न्यूनतम भाव-3600
उच्चतम भाव-6492
मूंग
न्यूनतम भाव-1710
उच्चतम भाव-7300
मक्का
न्यूनतम भाव-2000
उच्चतम भाव-2000
उड़द
न्यूनतम भाव-3776
उच्चतम भाव-7810
मसूर
न्यूनतम भाव-5110
उच्चतम भाव-9160
धनिया
न्यूनतम भाव-14000
उच्चतम भाव-14000
बटरी
न्यूनतम भाव-1800
उच्चतम भाव-2800
तेवड़ा
न्यूनतम भाव-1810
उच्चतम भाव-3231

कृषि मंडी में हुई आवक

गंज बासौदा। कृषि उपज मंडी में शुक्रवार को अनेक किसान अपनी उपज नीलामी के लिए लेकर पहुंचे। जिससे कृषि उपज मंडी में 3265.5 बोरों उपज की आवक दर्ज की गई।

शासकीय सेवाओं व विकास कार्यों का लिया जायजा, ग्रामीणों से किया जनसंवाद

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान शुरू, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा





मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीणों को प्रदाय की जा रही शासकीय सेवाओं एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ग्राम लगधा पहुंचे, यहां उन्होंने हाई स्कूल एवं सहकारी समिति का निरीक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने ग्राम कस्बा बागरोद पहुंचकर वेयरहाउस तथा कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिला सहकारी बैंक एवं तहसील कार्यालय भवन का भी अवलोकन कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने पंचायत भवन में स्थानीय उद्यमियों से संवाद कर उनकी गतिविधियों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। साथ ही आदान विक्रेताओं द्वारा बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ग्राम घटेरा भी पहुंचे, यहां उन्होंने जनसंवाद के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

घटेरा ग्राम में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र, नल-जल योजना के अंतर्गत प्रदाय पेयजल सुविधाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकान, कृषि साख सहकारी समिति, पशु चिकित्सालय एवं आरोग्यम केंद्र का निरीक्षण कर सेवाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भ्रमण के अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण एवं अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अभियान के तहत निर्धारित किए गए समस्त बिंदुओं पर कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों को योजनाओं की लाभ प्राप्ति में किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो इस संबंध में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि सीएम हेल्पलाईन एवं जनसुनवाई में प्राप्त भ्रमण क्षेत्र की लंबित शिकायतों, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा के लंबित प्रकरणों, राजस्व अभिलेखों में अमल नहीं होने संबंधी लंबित प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए। शासकीय संस्थाओं जैसे आईटीआई, मेडिकल कॉलेज, प्राथमिक साख सहकारी समिति, तहसील, कृषि उपज मण्डी, मदिरा दुकान, पुलिस थाना, लोक सेवा केन्द्र, शासकीय देवस्थान, औद्योगिक क्षेत्र, खाद-बीज की दुकान, एजेन्सी, गैस गोदाम, पेट्रोल पम्प, विस्फोटक पटाखा लायसेंस धारियों की दुकानें, गोदाम, अधिकृत शस्त्र विक्रेताओं की डीलरशिप, निजी विद्यालय आदि का निरीक्षण किया जाए। ताकि आमजन को कोई समस्या न हो। इस दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी, एसडीएम अनुभा जैन, तहसीलदार सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बडी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

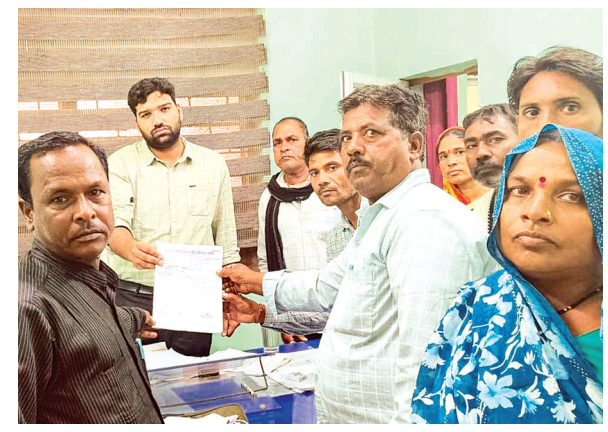
अभिभाषक संघ कक्ष में लगे विद्युत मीटर में लगी आग



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

शुक्रवार दोपहर के समय पुराने न्यायालय परिसर स्थित अभिभाषक संघ कक्ष में लगे विद्युत मीटर में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शॉर्ट सर्किट के कारण पहले धुआं निकला, जिसके बाद आग तेजी से विद्युत केबल लाइन में फैल गई। आग लगने के समय अभिभाषक संघ कक्ष में काफी संख्या में अधिवक्ता, पक्षकार और ग्रामीण मौजूद थे। तेज धुआं और आग की चिंगारियां निकलने से वहां अफरा-तफरी मच गई। आग के कारण कक्ष में धुआं भर गया और विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। आग ने पूरे विद्युत मीटर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह पूरी तरह खराब हो गया। मीटर के साथ-साथ विद्युत केबल लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। विद्युत मीटर जल जाने से अभिभाषक संघ कक्ष की बिजली पूरी तरह से गुल हो गई, जिससे कक्ष में अंधेरा छा गया। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से तहसील और एसडीएम कार्यालय के न्यायिक कार्य भी थम गए। इससे पक्षकारों और अधिवक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना तत्काल विद्युत वितरण कंपनी को दी गई। जिसके बाद विद्युत कर्मी मौके पर पहुंचे और विद्युत लाइन को मीटर से अलग किया।

मांगों को लेकर कोटवार संघ ने सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

शुक्रवार को कोटवार चौकीदार संघ ने तहसीलदार को अपनी समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया है कि कोटवारों को सिली वर्दी आई है जो कि छोटी बड़ी एवं सही नाप की नहीं है। जिससे कोई कोटवार वर्दी लेने को तैयार नहीं है। सौंपे गए ज्ञापन में कोटवारों ने वर्दी न लेकर वर्दी की राशि दिए जाने की मांग की है। ताकि वे अपनी सुविधा और सही नाप के आधार पर अपनी वर्दी सिलवा सकें। इस दौरान अनेक कोटवार मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शिशु मंदिर में हुआ अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

सागर। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, मोतीनगर सागर में स्वामी विवेकानंद वि.वि. द्वारा अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद वि.वि. सागर के संस्थापक कुलपति डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि अग्निषामक यंत्र के प्रशिक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के लिए आवश्यकता है। यदि हमारे युवा, हमारे छात्र-छात्राएं इस प्रकार की आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित हों, तो न केवल वे अपनी स्वयं की जान बचा सकते हैं, बल्कि समाज के कई अन्य मूल्यवान जीवन की रक्षा भी कर सकते हैं। इसके उपरान्त स्वामी विवेकानंद वि.वि. सागर के आपदा प्रबंधन विभाग के चीफ फायर ट्रेनर-ए.के. सिंह द्वारा आग बुझाने के बेसिक सिद्धांत, अग्निशामक यंत्र चलाने का तरीका, घरेलू बिजली सुरक्षा, एलपीजी गैस सेफ्टी, स्मोक एरिया में अपने आप को कैसे बचाएं एवं आपदाओं के समय क्या करें और क्या ना करें आदि की जानकारी दी। प्रशिक्षण में विभिन्न सुरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर प्राध्यापक कुलदीप दुबे, मिहिर केशरवानी, प्राचार्य रष्मि मिश्रा एवं विद्यालय छात्र-छात्राएं उपस्थिति रहीं।

श्रीराम नाम बैंक से जुड़े 8 हजार श्रद्धालु 12 अगस्त को निःशुल्क अयोध्या यात्रा



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

त्योंदा रोड स्थित श्रीराम नाम बैंक समाज में आस्था और सेवा का केंद्र बन चुका है। बैंक के संस्थापक रघुनाथ सिंह रघुवंशी ने बताया कि बैंक की शुरुआत 2007 में गिरिराज शोरूम, त्योंदा रोड पर एक छोटे रूप में हुई थी। इसका उद्घाटन अयोध्या राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महामंडलेश्वर नृत्य गोपाल दास महाराज के कर-कमलों एवं कई संतों की उपस्थिति में हुआ था। रघुनाथ सिंह ने बताया कि 2007 से 2020 तक बैंक गिरिराज शोरूम पर संचालित रही। 2021 से यह बैंक त्योंदा रोड, गिरिराज परिसर, सपना पेट्रोल पंप के सामने संचालित हो रही है। बैंक द्वारा राम नाम लेखन की पुस्तकें श्रद्धालुओं को निःशुल्क वितरित की जाती हैं। श्रद्धालु स्वेच्छा से पुस्तक लेकर नाम लिखते हैं और पासबुक में एंट्री कराते हैं। एक पुस्तक में 20 हजार नाम और 5 पुस्तकों में 1 लाख नाम पूरे होते हैं। वर्तमान में बैंक से करीब 7-8 हजार लोग जुड़े हैं। कई श्रद्धालुओं ने 40-50 लाख तक राम नाम लिखे हैं। 4-5 सदस्य 84 लाख नाम पूरे कर चुके हैं। मान्यता है कि 84 लाख नाम लिखने से 84 लाख योनियों से मुक्ति मिलती है। 2023 तक 100 करोड़ यानी 1 अरब राम नाम छोटी छावनी अयोध्या में जमा किए जा चुके हैं। सिरोंज, गंज और रिपटा घाट में शाखाएं खुलने के बाद वहां से करीब 90 करोड़ नाम और जुड़े हैं। बैंक अब कंप्यूटराइज हो चुकी है। यहां प्रतिदिन पुस्तकों की पूजा होती है। साल में एक बार भव्य आयोजन कर श्रद्धालुओं को राम नाम की संख्या के आधार पर उपहार दिए जाते हैं। रामनवमी पर बड़ा आयोजन होता है। स्कूलों, मंदिरों और यज्ञ-कथाओं में भी निःशुल्क पुस्तकें वितरित की जाती हैं। अब रामनाम बैंक की ओर से 25 लाख से 50-75 लाख राम नाम लिख चुके श्रद्धालुओं को 3 दिन 3 रात की निःशुल्क अयोध्या यात्रा कराई जा रही है। यात्रा 12 अगस्त को पंजाब मेल से बासौदा से प्रस्थान करेगी। इसमें आना-जाना और रुकना बैंक की तरफ से रहेगा। इच्छुक श्रद्धालु अपनी पासबुक और आधार कार्ड बैंक में जमा कर सकते हैं।

यातायात पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा



यातायात पुलिस ने शुक्रवार को जय स्तंभ चौक पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 वाहन चालकों पर कुल 4600 रुपए का जुर्माना लगाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण लगाना और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। यह अभियान जय स्तंभ चौक पर चलाया गया। यातायात निरीक्षक एनएस लोधी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो पहिया और चार पहिया वाहनों की गहनता से जांच की। अभियान के दौरान बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों, बिना सीट बेल्ट कार चलाने वालों और जिनके पास गाड़ी के कागजात पूरे नहीं थे, उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही ओवर स्पीड में वाहन चलाने वालों को रोककर यातायात नियमों के प्रति समझाइश दी गई।

यातायात निरीक्षक एनएस लोधी ने बताया वाहन चेकिंग अभियान के दौरान 12 वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया गया। इनमें बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले और बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन चलाने वाले वाहन शामिल थे। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि ये नियम उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर नियमित रूप से जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

विहिप की प्रांत बैठक में मिले दायित्व



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की प्रांत बैठक राजगढ़ में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में विभिन्न जिलों के संगठनात्मक दायित्वों पर चर्चा की गई। इस दौरान गंजबासौदा जिले से तीन कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व ने रविंद्र ठाकुर को जिला मंत्री, लालचंद कुशवाहा को जिला कोषाध्यक्ष तथा अभिषेक शर्मा को जिला उपाध्यक्ष के दायित्व के लिए चयनित किया। नवीन दायित्व मिलने पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तीनों पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनंदन किया। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, आगामी गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने तथा समाज में सेवा एवं जनजागरण के कार्यों को गति देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की विचारधारा के अनुरूप सक्रियता से कार्य करने और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। गंजबासौदा जिले के कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। बैठक के दौरान आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन विस्तार को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गंजबासौदा में सर्वाधिक 54.8 मिमी बारिश दर्ज

गंजबासौदा। गत दिवस से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। शुक्रवार को भी सुबह से शाम तक मौसम साफ रहा और शाम से एक बार फिर इलाके भर में कुछ समय के लिए तेज और फिर रिमझिम बारिश होती रही। जिससे किसानों और नागरिकों को राहत मिल रही है। उधर गत दिवस नगर में हुई 54.8 मिमी बारिश को मिलाकर इलाके में अभी तक 576.6 मिमी वर्षा दर्ज हो चुकी है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में 652.3 मिमी पानी बरस चुका था। इस लिहाज से अभी गत वर्ष की तुलना में कम ही बारिश हुई है। हांलाकि आगामी दिनों में भी अच्छी बारिश के पूर्वानुमान हैं।



होमगार्ड और एसडीईआरएफ टीम ने दिया विद्यार्थियों को प्रशिक्षण

सैकड़ों विद्यार्थियों ने सीखे जीवन रक्षक कौशल के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा



शुक्रवार को त्योंदा के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने जीवन रक्षक कौशल आपदा के समय सही जानकारी और त्वरित निर्णय के गुर सीखे जिससे वे आपदा में अनेक जीवन बचा सकें। इसी उद्देश्य को लेकर कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार तथा जिला कमांडेंट होमगार्ड मयंक कुमार जैन के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टॉफ ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को भूकंप, बाढ़, आगजनी, आकाशीय बिजली, सर्पदंश तथा अन्य आपदाओं के दौरान सुरक्षित रहने के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें बताया गया कि आपदा के समय घबराने के बजाय सूझबूझ और सतर्कता से कार्य करना ही सबसे बड़ा बचाव है। एसडीईआरएफ टीम ने सीपीआर का जीवंत प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को हृदयगति रुकने जैसी आपात स्थितियों में प्राथमिक सहायता प्रदान करने की विधि सिखाई। इसके अलावा अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव, सर्पदंश के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां तथा स्थानीय संसाधनों से तैयार किए जा सकने वाले अस्थायी बचाव उपकरणों का प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण का विशेष आकर्षण दामिनी ऐप एवं सचेत ऐप की जानकारी रही। विद्यार्थियों को बताया कि दामिनी ऐप वज्रपात यानि आकाशीय बिजली गिरने की पूर्व चेतावनी देकर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने का समय देता है, जबकि सचेत ऐप विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित अलर्ट एवं आवश्यक सुरक्षा निर्देश उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इन ऐप्स का उपयोग करने तथा अपने परिवार और समुदाय तक इसकी जानकारी पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अनेक प्रश्न पूछे और आपदा प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक जानकारियां प्राप्त कीं। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ आपदा के समय स्वयं एवं दूसरों की सहायता करने की क्षमता भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने आपदा सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने तथा समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया।

गढ़ाकोटा में पुजारी के सूने घर में लगी भीषण आग, गृहस्थी का सामान जलकर खाक

पुरसोत्तम शास्त्री परिवार के साथ ओरछा स्थित भगवान रामलला के दर्शन के लिए गए थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गढ़ाकोटा



सागर जिले के गढ़ाकोटा में अज्ञात कारणों से एक सूने घर में आग लगने से गृहस्थी का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना जवाहर वार्ड की है, जहां जनकपुरी मंदिर के पुजारी पंडित पुरसोत्तम शास्त्री के घर में देर रात अचानक आग भड़क उठी। बताया जा रहा है कि पंडित पुरसोत्तम शास्त्री गुरुवार रात अपने परिवार के साथ ओरछा स्थित भगवान रामलला के दर्शन के लिए गए हुए थे। इसी दौरान रात करीब 2 बजे पड़ोसियों की नजर घर की खिड़की से निकलते धुएं पर पड़ी। धुआं देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और पड़ोसी तत्काल मौके पर पहुंच गए। शास्त्री के भाई देवीप्रसाद पांडेय और मोहल्ले के अन्य लोगों ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश शुरू की। लेकिन कमरे में रखे कपड़े और अन्य घरेलू सामान ने तेजी से आग पकड़ ली, जिससे आग पर तुरंत काबू नहीं पाया जा सका। काफी मशक्कत के बाद आग बुझाई गई, लेकिन तब तक कमरे में रखा अधिकांश गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो चुका था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी अन्य वजह से, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। घटना की सूचना थाना पुलिस को दे दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही पंडित पुरसोत्तम शास्त्री ने ओरछा से गढाकोटा के लिए रवाना होने की सूचना दी है।

इस घटना से पूरे इलाके में चिंता का माहौल है और स्थानीय लोग भी नुकसान को लेकर दुख जता रहे हैं। अब सभी की नजर पुलिस जांच पर टिकी है कि आखिर बंद पड़े घर में आग कैसे लगी और इसके पीछे वास्तविक कारण क्या था।

खबर संक्षेप

ढाना छात्रावास पहुंचीं कलेक्टर प्रतिभा पाल

सागर। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास ढाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास की रसोई, भोजन व्यवस्था तथा पेयजल व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्रावास रसोई में साफ-सफाई रखने, भोजन सामग्री को साफ एवं सूखे स्थान पर रखने तथा मेन्यू के अनुसार ही भोजन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पानी की टंकी की नियमित सफाई सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया ताकि बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। प्रतिभा पाल ने कहा कि छात्रावास की 50 सीटें पूर्ण रूप से भरी जाएं और कोई भी सीट खाली न रहे। नामांकित सभी बच्चों का नियमित रूप से छात्रावास में रहना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अनार का पौधा रोपित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि छात्रावास में बच्चों को स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन एवं सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

विश्व शिशु स्तनपान सप्ताह के समापन पर शिविर

सागर। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की चंद्र प्रभु शाखा द्वारा विश्व शिशु स्तनपान सप्ताह है के समापन पर आंगनबाड़ी केंद्र महर्षि दयानंद वार्ड में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। डॉ अनुभा जैन ने महिलाओं के ब्लड प्रेशर की जांच की एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। माताएं शिशुओं को कैसे और कब तक स्तनपान कराएं और क्या-क्या सावधानियां रखें इसकी जानकारी दी गई।

अविभाजित भारत का केंद्र बिंदु और माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई मापने का ऐतिहासिक साक्षी है सिरोंज की 'भूरी टोरी'

170 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर उपेक्षा की शिकार

संरक्षण मिले तो देशभर के इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों का बन सकता है आकर्षण केंद्र

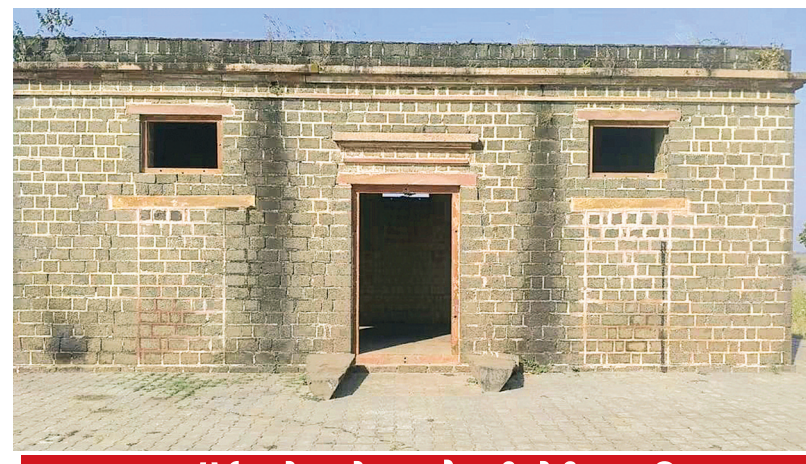
हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरोंज



ऐतिहासिक नगर सिरोंज केवल अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और भू-वैज्ञानिक दृष्टि से भी पूरे भारत में विशेष महत्व रखता है। शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर गुना रोड स्थित पहाड़ियों पर बनी पत्थरों की एक प्राचीन संरचना आज भले ही खंडहर में तब्दील हो चुकी हो, लेकिन कभी यही स्थान ब्रिटिश भारत के सबसे महत्वपूर्ण सर्वेक्षण केंद्रों में से एक था। इस ऐतिहासिक स्थल को स्थानीय लोग भूरी टोरी के नाम से जानते हैं। आज इसकी टूटी हुई दीवारें और जर्जर स्वरूप शासन एवं प्रशासन की उपेक्षा की कहानी बयां कर रहे हैं, जबकि यह स्थान कभी अविभाजित भारत का केंद्र बिंदु माना जाता था तथा विश्व प्रसिद्ध ग्रेट ट्रिगोनोमेट्रिकल सर्वे ऑफ इंडिया का अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इतिहासकारों का मानना है कि इसी क्षेत्र से किए गए सर्वेक्षणों ने भारत के मानचित्र निर्माण तथा विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

1853 में निर्मित हुई थी ऐतिहासिक वेधशाला

सिरोंज के इतिहास पर आधारित प्रसिद्ध ग्रंथ आसार-ए-मालवा में उल्लेख मिलता है कि वर्ष 1853 के आसपास इस पत्थर की वेधशाला का निर्माण कराया गया था। इसका उपयोग पृथ्वी के मापन, देशांतर-रेखाओं के निर्धारण तथा ग्रेट ट्रिगोनोमेट्रिकल सर्वे के कार्यों के लिए किया जाता था। इतिहासकारों के अनुसार उस समय भारत अविभाजित था और वर्तमान भारत, पाकिस्तान तथा बांग्लादेश एक ही भूभाग का हिस्सा थे। ऐसे में सिरोंज स्थित यह क्षेत्र उस विशाल भूभाग के केंद्रीय बिंदुओं में गिना जाता था।



सर जॉर्ज एवरेस्ट से जुड़ा है भूरी टोरी का इतिहास

इतिहासकार बताते हैं कि ब्रिटिश सर्वेक्षक सर जॉर्ज एवरेस्ट ने भारत के विशाल भू-सर्वेक्षण कार्य के दौरान सिरोंज के समीप ग्राम कल्याणपुर में ट्रिगोनोमेट्रिक स्टेशन और वेधशाला स्थापित करवाई थी। यह स्थान इसलिए चुना गया क्योंकि यहां से ग्रेट आर्क, देशांतर रेखाओं और पूर्व-पश्चिम दिशा के सर्वेक्षण के लिए अत्यंत उपयुक्त स्थिति उपलब्ध थी। यहीं से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर भारत के विशाल भू-मानचित्र के निर्माण का कार्य आगे बढ़ा। यही सर्वेक्षण आगे चलकर विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई निर्धारित करने में सहायक सिद्ध हुआ।

पॉइंट ऑफ ओरिजिन के रूप में मिली थी पहचान

ग्राम कल्याणपुर और भूरी टोरी क्षेत्र को उस समय पॉइंट ऑफ ओरिजिन ऑफ सर्वे का दर्जा प्राप्त था। यह केवल एक सामान्य सर्वेक्षण केंद्र नहीं था, बल्कि भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक देशों के मानचित्र निर्माण की आधारशिला माना जाता था। वर्ष 1917 में प्रकाशित प्रसिद्ध शोध ग्रंथ भारत और पड़ोसी देशों में त्रिकोणीय सर्वेक्षण में भी इस स्थान का विस्तृत उल्लेख मिलता है। इस शोध के अनुसार सिरोंज का यह मूल बिंदु भारत के साथ-साथ बर्मा (म्यांमार), श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के सर्वेक्षण कार्यों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण था।

अमेरिकी उपग्रहों से जुड़ा था यह सर्वेक्षण

वैज्ञानिकों द्वारा उपयोग किए गए उपकरण अमेरिका निर्मित थे। बताया जाता है कि उस समय अमेरिका द्वारा अंतरिक्ष में स्थापित कई उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए सिरोंज के इस बिंदु के ऊपर से गुजरते थे। जैसे ही उपग्रह निर्धारित समय पर इस क्षेत्र से गुजरते, उपकरण स्वतः सक्रिय हो जाते और उनके संकेत रिकॉर्ड होने लगते। इन उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पृथ्वी की दूरी, तापमान, निर्देशांक तथा अन्य भू-वैज्ञानिक जानकारियां संकलित की जाती थीं। इससे स्पष्ट होता है कि सिरोंज का यह स्थल अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक महत्व भी रखता था।

1977 में दोबारा हुई थी वैज्ञानिक जांच

वर्ष 1977 में भारतीय सर्वेक्षण एवं भू-अनुसंधान विभाग, देहरादून के वैज्ञानिक आर. के. कपूर तथा शिवमरण अपने सहयोगियों के साथ लगभग एक माह तक सिरोंज में रुके थे। उनके पास अत्याधुनिक विदेशी स्वचालित उपकरण थे जिनकी सहायता से इस ऐतिहासिक बिंदु की पुनः जांच की गई। शुरुआत में घनी झाड़ियों के कारण वैज्ञानिकों को मूल चबूतरा दिखाई नहीं दिया, जिससे उपकरण सही प्रकार से कार्य नहीं कर सके। बाद में खोजबीन के दौरान वास्तविक पॉइंट ऑफ ओरिजिन मिल गया, जहां उपकरण स्थापित कर सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

विशेष बनावट वाली थी वेधशाला

भूरी टोरी की यह वेधशाला सामान्य इमारत नहीं थी। इसके चारों ओर मजबूत काले पत्थरों की ऊंची चार दीवारी बनाई गई थी। सबसे विशेष बात यह थी कि इसकी छत नहीं बनाई गई थी ताकि वैज्ञानिक खुले आकाश में तारों की गति का अवलोकन कर सकें। उत्तर और दक्षिण दिशा की दीवारों में लगभग दो फीट चौड़ी तथा छह फीट ऊंची खिड़कीनुमा संरचनाएं बनाई गई थीं, जिनसे दूरबीन के माध्यम से दूर स्थित मापन स्तंभों का निरीक्षण किया जाता था। उस समय गैस लालटेनों की तेज रोशनी से संकेत भेजे जाते थे और कई किलोमीटर दूर स्थित सर्वेक्षण बिंदुओं का मिलान किया जाता था।

मरम्मत के लिए मिलता था सरकारी अनुदान

स्थानीय नागरिकों के अनुसार कभी सर्वे ऑफ इंडिया, देहरादून द्वारा इस ऐतिहासिक वेधशाला के रखरखाव एवं मरम्मत के लिए प्रतिवर्ष लोक निर्माण विभाग को आर्थिक सहायता भी दी जाती थी। समय के साथ यह सहायता बंद हो गई और धीरे-धीरे यह ऐतिहासिक धरोहर उपेक्षा का शिकार होती चली गई। आज यहां केवल जर्जर दीवारें, टूटी संरचनाएं और झाड़ियां ही दिखाई देती हैं। संरक्षण के अभाव में यह राष्ट्रीय महत्व की धरोहर धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर पहुंच गई है।

संरक्षण मिले तो बन सकता है राष्ट्रीय पर्यटन एवं शोध केंद्र

वहीं हरिभूमि से चर्चा के दौरान युवा समाजसेवी बिलाल शकूर ने बताया कि यदि भूरी टोरी का वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक महत्व देखते हुए इसका संरक्षण कराया जाए, परिसर का सौंदर्यीकरण हो तथा इसे राष्ट्रीय धरोहर के रूप में विकसित किया जाए, तो यह स्थान देश-विदेश के इतिहासकारों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। सिरोंज की पहचान केवल धार्मिक और सांस्कृतिक नगर के रूप में ही नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक इतिहास के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकती है। वही स्थानीय नागरिकों ने शासन, प्रशासन, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तथा सर्वे ऑफ इंडिया से मांग की है कि भूरी टोरी को संरक्षित स्मारक घोषित कर इसकी मरम्मत, सौंदर्यीकरण एवं ऐतिहासिक जानकारी वाले सूचना बोर्ड लगाए जाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस गौरवशाली धरोहर से परिचित हो सकें।

अपर संचालक ने स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया

ई-अटेंडेंस व छात्रावास सुविधाओं का लिया जायजा



हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा

लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल की अपर संचालक डॉ. कामना आचार्य ने शुक्रवार को विदिशा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कई शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, स्वच्छता, विद्यार्थियों की उपस्थिति और छात्रावास व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, पीएम श्री विद्यालय, माधवगंज क्रमांक-2, सांदीपनि विद्यालय, मिर्जापुर एवं कुआंखेड़ी के विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और शिक्षकों से शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, स्वच्छता और छात्रावास की बेहतर व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए डॉ. आचार्य ने प्राचार्य खजान सिंह सहित पूरे स्टाफ की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।उन्होंने सभी विद्यालयों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था की समीक्षा की। स्टाफ ने बताया कि लगभग शत-प्रतिशत शिक्षक नियमित रूप से ई-अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं। इस पर डॉ. आचार्य ने शिक्षकों को नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।अपर संचालक ने उत्कृष्ट विद्यालय के बालक एवं बालिका छात्रावासों का भी निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

मप्र टूरिज्म क्विज में सेंट एसआरएस गंजबासौदा प्रथम, राज्य स्तर पर करेगा जिले का प्रतिनिधित्व

125 स्कूलों के 375 छात्रों ने लिया हिस्सा, 'एमपी गजब है' थीम पर पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा/गंजबासौदा



शुक्रवार को रविंद्रनाथ टैगोर ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय मध्यप्रदेश टूरिज्म क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

बूझो, जानो और फिर देखो अपना मध्यप्रदेश थीम पर हुई प्रतियोगिता में जिले के सातों विकासखंडों के 125 विद्यालयों के 375 विद्यार्थियों, 125 शिक्षकों सहित करीब 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्विज की नोडल अधिकारी डॉ. दीप्ति शुक्ला ने बताया कि पहले ऑनलाइन पंजीयन के बाद लिखित परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों के बीच मल्टीमीडिया क्विज हुई। इसमें मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक धरोहर, कला-संस्कृति, भूगोल और विभिन्न जिलों से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में सेंट एसआरएस गंजबासौदा की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। अब यह टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विदिशा जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। विजेता टीम के नौ प्रतिभागियों को तीन दिन-दो रात, जबकि उपविजेता टीम को दो दिन-एक रात का मध्यप्रदेश पर्यटन पैकेज प्रदान किया जाएगा। सुबह 8 बजे से पंजीयन और लिखित परीक्षा के बाद दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक मल्टीमीडिया क्विज आयोजित हुई। आयोजन में कमलेश दुबे, खेलन सिंह विश्वकर्मा, सुरेंद्र रिछारिया, शैलेंद्र शर्मा सहित पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। निर्णायक के रूप में सीमा सक्सेना, अलबीसिया तिर्की और खेलन सिंह विश्वकर्मा ने दायित्व निभाया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने कहा कि यह प्रतियोगिता उन्हें हर वर्ष नई जानकारी देती है और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनती है।

देयक पारितकरण, टीडीएस व आयकर प्रावधानों का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा

जिला कोषालय द्वारा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों एवं लेखा लिपिकों के लिए देयक पारितकरण, टीडीएस और आयकर प्रावधानों पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

जिला कोषालय अधिकारी राजीव जैन ने बताया कि जिला स्तर के अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से तथा तहसील स्तर के डीडीओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। प्रशिक्षण का उद्देश्य शासकीय देयकों का समयबद्ध एवं त्रुटिरहित पारितकरण, आयकर अधिनियम-2025 के प्रावधानों तथा टीडीएस प्रक्रिया की जानकारी देना था। जीएसटी विभाग के गौरव शर्मा और आयकर विभाग भोपाल के जय नाथ वर्मा सहित विशेषज्ञ अधिकारियों ने आयकर अधिनियम, टीडीएस कटौती, पोर्टल पर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया और व्यवहारिक समस्याओं के समाधान पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में डॉ. अतुल कुमार, प्रतीक शिंदे, राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने भी सहभागिता की। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे वित्तीय अनुशासन और कर नियमों के प्रभावी अनुपालन को मजबूती मिलेगी।

निगमायुक्त खत्री ने बाघराज आवासीय कॉलोनी के मकानों में अवैध कब्जाधारियों पर एफआईआर कराने के दिए निर्देश

सागर। नगर पालिक निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने शुक्रवार को बाघराज आवासीय कॉलोनी में पहुंचकर स्थानीय रहवासियों से बातचीत की और यहां के रहवासियों को समझाइश देते हुए अनाउंसमेन्ट के माध्यम से कहा की जो भी पात्र हितग्राही वैधानिक रूप से यहां रह रहे हैं और उनके पास विद्युत कनेक्शन नहीं हैं वे नये बिजली कनेक्शन विद्युत विभाग से लेने की प्रक्रिया पूर्ण करें। आपकी आवास संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए नगर निगम प्रशासन आपके साथ है। लेकिन नगर निगम अब यहां बिजली सप्लाई की सुविधा नहीं देगा, बिजली की समस्या आपको विद्युत विभाग में सम्पर्क कर हल करना होगी। उन्होंने कहा की यहां रहने वाले लोगों की दूसरी केटेगरी वो है जो या तो किसी के मकान में किराये से रह रहे हैं या फिर अवैध रूप से ताला डालकर कब्जा किये हुए हैं। ऐसे सभी लोग जो रियायती दर पर हितग्राहियों को दिये गये आवासों में किरायेदार की तरह रह रहे हैं या अवैध रूप से ताला डालकर कब्जा किये हुए हैं वे 2 दिन में यहां से बाहर हो जाएँ। अन्यथा की स्थिति में उक्त कब्जाधारियों पर एफआईआर कराने सहित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दो हितग्राहियों को 50-50 हजार रु. का ऋण

विदिशा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये की ऋण सहायता प्रदान की। सहायक संचालक नेहा आर्य ने बताया कि चिंता बाई को अनाज विक्रय व्यवसाय और निकेश रजक को फल एवं सब्जी व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण स्वीकृत किया गया। विभाग के अनुसार योजनाओं का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को वित्तीय सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। इस सहायता से दोनों हितग्राही अपना व्यवसाय स्थापित कर आय का स्थायी स्रोत विकसित कर सकेंगे।

प्रमुख सचिव ने वृद्धाश्रमों व विशेष संस्थाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वांयकगणकर तथा आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने शुक्रवार को विदिशा जिले में संचालित विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, संचालन व्यवस्था और हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीहरि वृद्धाश्रम, दीक्षा निकेतन विशेष विद्यालय, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सूरज निकेतन विशेष विद्यालय, परिवर्तन नशामुक्ति केंद्र एवं दयाधाम वृद्धाश्रम का भ्रमण किया गया। प्रमुख सचिव ने वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताओं की जानकारी ली।

श्रीहरि वृद्धाश्रम में उन्होंने भोजन, आवास, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। वहीं दीक्षा निकेतन विशेष विद्यालय में दिव्यांग बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा एवं प्रशिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। दौरे के दौरान अन्य संस्थाओं में भी हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने तथा सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बाद में सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, संस्थाओं के संचालन और लाभार्थियों तक योजनाओं की पहुंच की समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में विभागीय अधिकारी, संस्थाओं के संचालक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।







30 वर्षीय महिला की हत्या के मामले का देवनगर पुलिस ने 12 घंटे में किया खुलासा

भाभी के चरित्र संदेह पर देवर ने रस्सी से गला घोंटकर की हत्या फिर पुलिस को सूचना देकर गुमराह करने का करता रहा प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

जिले के देवनगर थाना क्षेत्र में 30 वर्षीय महिला की हत्या के मामले का देवनगर पुलिस ने महज 12 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक महिला की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके देवर ने ही की थी। आरोपी ने पहले भाभी का रस्सी से गला घोंटकर हत्या की और फिर वारदात को छिपाने खुद डायल-112 पर फोन कर शव मिलने की सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।

एसपी आशुतोष गुप्ता, देवनगर थाना टीआई हरिओम अस्ताया के अनुसार, बेलना महलपुर निवासी आरती आदिवासी का शव 6 अगस्त की



सुबह घर के पास खेत के नजदीक श्मशान घाट के समीप स्थित तलैया में पड़ा मिला था। प्रारंभिक जांच में गले पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई गई थी। सूचना मिलने पर देवनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ के साथ तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर मृतका के देवर रेवाराम उर्फ हल्कू आदिवासी (30) पर संदेह गहराया। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी हल्कू टूट गया और उसने हत्या करना कबूल कर लिया।

चरित्र पर शक और पारिवारिक विवाद बना वजह

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे अपनी भाभी के चरित्र को लेकर शक था। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। घटना वाली रात उसने रस्सी से गला घोंटकर आरती की हत्या कर दी। इसके बाद शव को श्मशान घाट के पास तलैया के किनारे छोड़ दिया। ताकि मामला दुर्घटना या किसी अन्य घटना जैसा लगे।

साक्ष्य मिटाने की भी कोशिश

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने वारदात में उपयोग की गई रस्सी को झिरनिया रोड स्थित धान के खेत में फेंक दिया था। वहीं मृतका का मोबाइल फोन भी श्मशान घाट के पास पानी से भरी तलैया में फेंक दिया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने रस्सी और मोबाइल बरामद किया है।

आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज

देवनगर थाना पुलिस ने आरोपी रेवाराम उर्फ हल्कू पिता निरपत सिंह आदिवासी (30), निवासी बेलना महलपुर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। देवनगर पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक गुप्ता के निर्देशन में एसडीओपी बेगमगंज सोनाली गुप्ता, थाना प्रभारी हरिओम अस्ताया सहित देवनगर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस अंधे कत्ल की गुत्थी 12 घंटे के भीतर सुलझा ली।

खुद बना शिकायतकर्ता

मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि आरोपी रेवाराम उर्फ हल्कु आदिवासी ने खुद ही डायल-112 पर फोन कर बताया कि उसकी भाभी सुबह घर से निकली थी और अब उसका शव तलैया में पड़ा मिला है। देवनगर पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने खुद को सूचना देने वाला और अनजान व्यक्ति की तरह पेश किया। लेकिन जांच के दौरान उसके बयान और परिस्थिति जन्य साक्ष्यों में विरोधाभास सामने आने पर पूरा मामला खुल गया।

गांव की सरकार की सड़कें हुई जर्जर, आवागमन में राहगीर हो रहे परेशान

गारंटी पीरियड से पहले क्षतिग्रस्त हुईं ग्रामीण सड़कें, बजट के अभाव में नहीं हो रही मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत रायसेन जिले में ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क देने के उद्देश्य से बनाई गई कई किलोमीटर की सड़कें तय समय से पहले ही जर्जर हो गई हैं। इन सड़कों के खराब होने से लगभग 2000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार परिसंपत्तियों को नुकसान पहुंचा है।

स्थिति यह है कि कई सड़कें अपनी गारंटी अवधि भी पूरी नहीं कर सकीं। जिससे निर्माण गुणवत्ता, रखरखाव व्यवस्था और जिम्मेदारी तय करने की नीति पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रायसेन जिले में पीएमजीएसवाई के तहत बनी बड़ी संख्या में सड़कें आज भारी वाहनों के दबाव और लगातार बढ़ते उपयोग के कारण टूटने लगी हैं। जिन सड़कों का निर्माण ग्रामीण संपर्क के लिए किया गया था, उन पर अब खनन, निर्माण सामग्री और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में लगे डंपर, हाइवा और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लगातार आवाजाही हो रही है। यह सड़कें पत्थर मुरम कोपरा की खदानों से इस अतिरिक्त भार को सहन नहीं कर पा रही हैं। जिसके कारण जगह-जगह गड्ढे, दरारें और उखड़ी हुई परतें दिखाई दे रही हैं।

सबसे अधिक नुकसान उन क्षेत्रों में हुआ है जहां खनन गतिविधियां संचालित हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार कई किलोमीटर सड़कें खनन क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही से प्रभावित हुई हैं। इनमें करीब 600 सड़कें ऐसी हैं जो सीधे खदानों से जुड़ी हैं और जिनके निर्माण पर लगभग 1800 करोड़ रुपए खर्च किए थे। इन सड़कों की हालत अब इतनी खराब हो





मरम्मत और जिम्मेदारी तय करने की नीति का अभाव

सड़क विशेषज्ञ रिटायर्ड इंजीनियर आरसी बिटोरिया ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या यह है कि सड़कें खराब होने के बाद उनकी मरम्मत और जिम्मेदारी तय करने की कोई स्पष्ट नीति नहीं है। यदि किसी अन्य विभाग की परियोजना या खनन गतिविधि के कारण सड़क क्षतिग्रस्त होती है तो संबंधित विभाग से मरम्मत का खर्च वसूलने की व्यवस्था प्रभावी नहीं है। परिणामस्वरूप पीएमजीएसवाई विभाग को ही दोबारा मरम्मत पर करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। सड़कों के उन्नयन और पुनर्निर्माण प्रक्रिया लंबी होने से ग्रामीणों को खराब सड़कों पर सफर करना पड़ता है।

बैरियर लगाने की तैयारी

भारी वाहनों के आवागमन से सड़कें क्षतिग्रस्त हुई है। जबकि ग्रामीण सड़कों से भारी वाहन गुजरना मनाही है। अब विभाग सड़कों को बचाने बैरियर लगाने की तैयारी में है।

- **आरएस तिवारी,** महाप्रबंधक, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना विभाग, रायसेन

चुकी है कि ग्रामीणों का आवागमन तक मुश्किल हो गया है। इनमें तहसील रायसेन के कानपोहरा, मुरेल, पाली करहोद घाट पिपरिया, सालेरा, सुंड, मऊ पथरई, चांदना, मानपुर, सोडरा सुन्हेरा, हकीमखेड़ी, बावलियां, अंधेर आदि शामिल हैं।

सरकारी धन बर्बादी के साथ गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

इसी तरह अन्य विभागों की परियोजनाओं और निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाले भारी वाहनों के कारण भी करीब 550 सड़कें प्रभावित हुई हैं। इनकी लंबाई लगभग 2000 किलोमीटर बताई जा रही है। जिनके निर्माण पर करीब 1200 करोड़ रुपए खर्च किए थे। सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से सरकारी धन की बर्बादी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीण संपर्क के लिए बनी सड़कों पर दौड़ रहे बड़े वाहन

पीएमजीएसवाई का उद्देश्य गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ना और ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना था। लेकिन वर्तमान में यही सड़कें खनिज परिवहन और व्यावसायिक गतिविधियों का प्रमुख मार्ग बन गई हैं। सड़कों से बड़ी बड़ी सफेद पत्थर की चट्टानों से लोड भारी वाहनों लगातार ओवरलोड वाहनों की आवाजाही से सड़कें तेजी से टूट रही हैं। यह पत्थर राजस्थान गुजरात पंजाब जा रहे हैं। उद्योगपति की कमाई कर रहे हैं सड़कों का मटियामेट कर रहे हैं।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इन सड़कों का डिजाइन सामान्य ग्रामीण यातायात को ध्यान में रखकर किया गया था। लगातार भारी वाहनों के संचालन से सड़क की संरचना कमजोर हो रही है और उसकी उम्र कम हो रही है। कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है। जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

निर्माण कार्य से ज्यादा चुनौती रखरखाव की

जानकारों के अनुसार एक किलोमीटर नई सड़क बनाने में औसतन 60 से 70 लाख रुपए खर्च होते हैं। जबकि क्षतिग्रस्त सड़क के उन्नयन और पुनर्निर्माण पर 30 से 35 लाख रुपए प्रति किलोमीटर तक की लागत आती है। यदि समय पर रखरखाव नहीं किया तो आने वाले वर्षों में सरकार पर हजारों करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।

खराब सड़कों से बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

सड़कों की खराब स्थिति का सबसे अधिक असर ग्रामीणों पर पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों, गर्भवती महिलाओं और किसानों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में गड्ढों से भरी सड़कें और भी खतरनाक हो जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन सड़कों से विकास की उम्मीद थी, वही अब परेशानी का कारण बन गई हैं।

जिम्मेदारी तय जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण, नियमित रखरखाव और जिम्मेदारी तय करने की स्पष्ट नीति नहीं बनाई गई, तो पीएमजीएसवाई के तहत बनाई हजारों करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

शराब बिक्री पर रोक लगाने महिलाओं ने सौंपा आवेदन

आबकारी विभाग उदासीन, गांव में बिक रही अवैध रूप से शराब व नशा सामग्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ बरेली

निकटवर्ती ग्राम गुरारिया की महिलाएं पुलिस थाने पहुंची ग्राम में दो लोगों द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन थाना प्रभारी कपिल गुप्ता को सौंपते हुए शराब बिक्री से गांव का माहौल खराब होने अप्रिय घटनाओं और शराब बेचने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गुहार लगाई।

बरेली आबकारी व्रत के अंतर्गत बरेली बाड़ी उदयपुर देवरी तहसीलों का क्षेत्र आता है। उप निरीक्षक और कर्मचारी पदस्थ हैं फोरलाइन 45, ग्रामीण क्षेत्र और नगरों में नशा सामग्री गंजा, शराब आसानी से उपलब्ध और बिक रही है। पूर्व में भी अनेक ग्रामों की महिलाओं द्वारा अलग-अलग समय में पिछले वर्ष ज्ञापन सौंप कर अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की जा चुकी है।

होटल पर शराब, बीयर परोसने, गांजे की अवैध बिक्री रोकने और नशा सामग्री बेचने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के प्रति आबकारी विभाग निरंतर उदासीन बना रहने से नशा की सौदागरों के हौसले बुलंद बने हुए हैं। इसी कारण आबकारी विभाग के स्थान पर पुलिस थाने में महिलाओं द्वारा पहुंचकर कार्यवाही की मांग की गई।

इनका कहना है

गुरारिया ग्राम की महिलाओं ने आवेदन दिया है अवैध शराब बेचने की जांच बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

- **कपिल गुप्ता,** थाना प्रभारी बरेली।

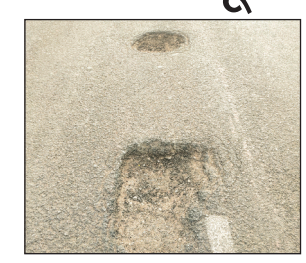
हाईवे-18 के गड्ढों पर फिर सवाल

सड़क के गड्ढों में रेत-गिट्टी डालकर पूरी की खानापूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ दीवानगंज

भोपाल–विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर बारिश के दौरान उभरे बड़े-बड़े और गहरे गड्ढे अब वाहन चालकों के लिए लगातार परेशानी और हादसे का कारण बन रहे हैं। गड्ढों को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद एमपीआरडीसी के कर्मचारियों ने कई स्थानों पर गड्ढों को भरने की कार्रवाई तो की, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि गड्ढों में केवल रेत और गिट्टी डालकर खानापूर्ति कर दी गई।

बारिश और वाहनों के दबाव के बीच यह भराव कितने दिन टिकेगा, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जिन गड्ढों को भरा गया वह गड्ढे दो दिन में ही वैसे ही हो गए जैसे पहले थे। ग्रामीणों के अनुसार हाईवे-18 पर



बारिश के बाद जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए थे। इन गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ चार पहिया और भारी वाहनों को भी परेशानी हो रही थी। लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद एमपीआरडीसी कर्मचारियों ने गड्ढों में रेत और गिट्टी डालकर उन्हें भरने का काम किया। ग्रामीणों का कहना है कि गड्ढों की मरम्मत के नाम पर केवल औपचारिकता पूरी की गई है।

ठेकेदारों की मनमानी से थमा विकास, बदहाली झेल रही जनता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाड़ी

नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार थम सी गई है। विभिन्न वार्डों में नाली, सड़क एवं पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य वर्षों से अधूरे पड़े हैं। लगातार हो रही देरी से नगरवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

वार्ड क्रमांक 3 में नाली निर्माण का कार्य लगभग 3 वर्षों से शुरू नहीं हो सका है। वहीं वार्ड 2 और 3 में नालियों के अभाव में



गंदगी, कीचड़ और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा हिंगलाज रोड स्थित मंगलवार बाजार में पेवर ब्लॉक निर्माण तथा सिंधी कैंप वार्ड 5 में सड़क निर्माण कार्य भी लंबे समय से अधूरे पड़े हैं।

अधिकांश निर्माण कार्यों के टेंडर काफी पहले जारी हो चुके हैं, लेकिन आज तक कार्य पूरे नहीं हो सके। लोगों के आरोप है कि संबंधित ठेकेदार समय सीमा का पालन नहीं कर रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही हैं। विकास कार्यों में हो रही देरी का असर नगर परिषद अध्यक्ष ममता धर्मेंद्र सिंह चौहान की छवि पर भी पड़ रहा है।

लोगों के अनुसार अध्यक्ष की पहचान एक विकासोन्मुख जनप्रतिनिधि के रूप में रही है। लेकिन कुछ ठेकेदारों की कार्यशैली और प्रशासनिक उदासीनता से जनता में असंतोष बढ़ रहा है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि कई कार्यों में कथित रूप से ठेके पर ठेका (पेटी कॉन्ट्रैक्ट) देने की प्रथा अपनाई जा रही है। जिससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

इनका कहना है

हमने ठेकेदारों को नोटिस जारी किया है अगर ठेकेदार जल्द काम नहीं करते हैं तो उनको ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। बैठक में भी समीक्षा की है इनके विरुद्ध जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी।

- **विभूति दरबार,** इंजीनियर, नगर परिषद बाड़ी।

जल प्रदाय व्यवस्था सुधारने नपा ने किया नया प्रभारी नियुक्त

रायसेन। शहर में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने शुक्रवार की शाम नगर पालिका ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएमओ सुरेखा जाटव द्वारा आदेश के अनुसार नगर पालिका के राजेंद्र यादव को जल प्रदाय व्यवस्था के सुचारु संचालन एवं संधारण के लिए जलप्रदाय प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रभारी परमानंद विश्वकर्मा को हटा दिया है। जारी आदेश में कहा है कि पीआईसी के निर्णय के अनुसार जलप्रदाय व्यवस्था से जुड़े सभी कार्यों की निगरानी अब नव नियुक्त प्रभारी राजेंद्र यादव करेंगे। इनमें शहर में स्थापित मोटर पंपों का रख रखाव, विद्युत फॉल्ट का निराकरण, पाइपलाइन संचालन, मेंटेनेंस तथा नागरिकों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी शामिल रहेगी। यादव को प्रतिदिन पूरे नगर का भ्रमण कर पेयजल कार्यप्रणाली पर नजर रखनी होगी।

कुशवाहा समाज की बैठक में नई समितियों का सर्वसम्मति से गठन

12 सितंबर को लव-कुश जयंती धूमधाम से मनाने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलवानी

कुशवाहा समाज सिलवानी नगर की बैठक कुशवाहा धर्मशाला में गुरुवार रात्रि को आयोजित की गई। बैठक में समाज की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया। समाजजनों ने नगर अध्यक्ष, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष, धर्मशाला निर्माण समिति अध्यक्ष तथा लव-कुश जयंती कार्यक्रम अध्यक्ष के नामों पर एकमत से सहमति जताई।

बैठक में लखन कुशवाहा को नगर अध्यक्ष, हरिनारायण कुशवाहा को युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष, लक्ष्मीनारायण कुशवाहा (बेगवा) को धर्मशाला निर्माण समिति अध्यक्ष तथा राघवेंद्र कुशवाहा को



लव-कुश जयंती कार्यक्रम अध्यक्ष चुना गया। साथ ही निर्णय लिया कि 12 सितंबर को भगवान लव-कुश जयंती समाज के सहयोग से श्रद्धा, उत्साह से मनाई जाएगी।

बैठक में रेवाराम कुशवाहा, नर्मदा प्रसाद कुशवाहा, धर्मदास कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, प्रदीप कुशवाहा, बलराम कुशवाहा, नंदकिशोर कुशवाहा, मोहन कुशवाहा, राजेंद्र कुशवाहा, धनराज कुशवाहा, दिनेश कुशवाहा, सोनू कुशवाहा, कमलेश कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

दो ट्यूबवेल, 6 हैंडपंपों में पानी आना बंद हुआ

बारिश की कमी का असर, नगर व ग्रामीण क्षेत्र में तेजी से नीचे गिर रहा भूजल स्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरेली

जोरदार बारिश की उम्मीद में अषाण का महीना बीत गया सावन का महीना भी अस्था चल की ओर है। बारिश की कमी के कारण नदी नालों में बहुत कम पानी से ग्रामीण क्षेत्र और नगर का भू-जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। नगर परिषद के दो ट्यूब बैलों एवं 6 हैंड पंपों से पानी ही आना बंद हो गया नगर परिषद द्वारा नए ट्यूबवेल का खनन महेश्वरी भवन टॉकीज रोड पर कराया जा रहा है।

नगर में दोहरी जलप्रदाय व्यवस्था है 60 के दशक में नलों से घरों घर पानी आना शुरू हो गया था बड़ी मस्जिद के कुआं से जलप्रदाय हुआ करता था। पानी दूषित होने के



कारण पीएचई और नगर परिषद द्वारा विभिन्न स्थानों पर ट्यूब बेलों का खनन कर जलप्रदाय योजना से जोड़ा गया। पिछले तीन-चार वर्षों से नगर में नर्मदा जलावर्धन योजना से भी विभिन्न वार्डों में जलप्रदाय हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार सावन माह में भी बारिश की कमी के कारण दो ट्यूबवेलो और 6 हैंड पंप में पानी न आने के कारण नगर परिषद द्वारा जल प्रदाय व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने महेश्वरी भवन टॉकीज के पास नए ट्यूबवेल का खनन कराया जा रहा है। नऐ बस स्टैंड के ट्यूबवेल में भी पानी नहीं आ रहा है दाल मिल मोहल्ला की तीन, दीनदयाल परिसर, कांजी हाउस के सुलभ कांप्लेक्स और वार्ड नंबर 9 में हैंडपंपों से पानी आना बंद हो गया है।

नीचे जा रहा भू-जल स्तर

नगर हो या ग्रामीण क्षेत्र भू-जल स्तर तेजी से नीचे खिसक रहा है। किसानों के खेतों में लगे ट्यूब बेलों में पानी कम होने से मोट्रे नहीं चलने से किसानों द्वारा 10 से 30 फीट तक पाइप लाइन बढ़ाकर मोटर नीचे की जा चुकी है। ग्रामीण क्षेत्र के तालाब नदी नालों में पानी की कमी और धान में पानी देने से भू-जल स्तर नीचे गिरता ही जा रहा है।